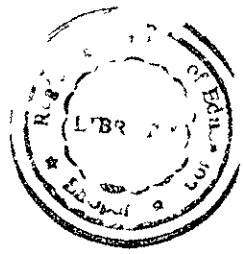

अध्याय चतुर्थ

शोध न्यादर्श एवं शोध उपकरण प्रारूप तथा प्रशसन

४.१ शोध कार्य की भौगोलिक सीमाए -

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे प्रदत्तो का सकलन भोपाल मे स्थित १० विद्यालयो से किया गया जिनमे २ शासकीय विद्यालय भी शामिल है तथा जिसमे एक शासकीय विद्यालय म प्र राज्य शैक्षिक अनु–ध्सधान एव प्रशिक्षण परिषद, भोपाल द्वारा गोद लिया गया है।

भोपाल स्थित विद्यालयो चयन किया गया उसके क्षेत्र निम्न है – श्यामला हिल्स, नेहरू नगर, टी टी नगर,प्रोफेसर कॉलोनी, रेल्वे बोर्ड कॉलोनी स्टेशन क्षेत्र, ऐशबाग क्षेत्र जहाबीराबाद, अशोका गार्डन इत्यादि ।

४.२ न्यादर्श की विशेषताए -

लघुशोध प्रबन्ध हेतु चयनित न्यादर्श की प्रमुख विशेषताए –

१ न्यादर्श का चयन सोद्वेशीय विधि से किया गया ।
२ न्यादर्श हेतु चयनित सभी विद्यालय भोपाल मे स्थित है तथा पजीकृत है ।
३ विद्यालयो मे डी एम एस, श्यामला हिल्स तथा भोपाल एकेडमी, ऐशबाग को छोडकर सभी मे प्रवेश की प्रकिया बिना किसी परीक्षा या साक्षात्कार के दिया जाता है ।
४ विद्यालयो मे सभी आर्थिक स्तरो के (मजदूरी वर्ग, मध्यम आय वर्ग, उच्च अधिकारी वर्ग) बच्चे अध्ययन करते है ।

४.३ न्यादर्श चयन प्रकिया -

प्रस्तुत लघुशोध मे शोधकर्त्ता ने न्यादर्श का चयन सुविधानुसार सोद्धेशीय विधि से किया है । आकडो के सकलन हेतु १० विद्यालयो की कक्षा ३,५ एव की बालक एव बालिकाओ को लिया गया है ।

शोधकर्त्ता ने प्रधानाध्यापक, कक्षाध्यापक तथा बालक–बालिकाओ को सर्वप्रथम अपना परिचय दिया तथा आने का प्रयोजन बताया । कक्षा के विद्यार्थियो का चयन स्वय के आधार पर बिना किसी शिक्षक की मदद लिये किया ।

४.४ शोध मे प्रयुक्त उपकरण तथा व्याख्या -

प्रस्तुत लघुशोध मे शोधकर्त्ता द्वारा "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" (कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे) हेतु प्रश्नावली का उपयोग किया । इस प्रश्नावली का निर्माण पियाजे, जीन (१९६३) "कन्सेक्शन ऑफ द बर्ल्ड" नामक पुस्तक मे दी गयी प्रश्नावली के मूल रूप मे परिवर्तन न करते हुये शिक्षा विभाग, क्षे शि स द्वारा कुछ प्रश्नो को जोडकर कुल १५ प्रश्नो की प्रश्नावली का तैयार की गयी है ।

प्रश्नावली मे कुल १५ प्रश्न रखे गये है । सभी प्रश्नो को ५ समूहो मे वर्गीकृत किया गया है।

प्रथम समूह मे – सूरज, बादल चन्द्रमा को रखा गया ।
द्वितीय समूह मे – मच्छर, मकडी और मछली को रखा गया ।
तृतीय समूह मे – अडा, बीज, और बैक्टीरिया को रखा गया ।
चतुर्थ समूह मे – पेड, तुलसी का पौधा और हरी घास को रखा गया ।
पचम समूह मे – साइकिल, एजिन (मोटर) तथा टी वी को रखा गया ।

प्रथम समूह मे तीनो वस्तुए प्राकृतिक निर्जीव है, द्वितीय समूह मे तीनो चीजे जीवित है तृतीय समूह मे दो चीजे भूगीय अवस्था तथा तीसरी अत्यन्त सूक्ष्म (एक कोशिय) है । चतुर्थ समूह मे तीनो चीजे पादप समूह से है जबकि पाचवे समूह मे मानव निर्मित तीन चीजो को रखा गया है जिसमे स्वाभविक गति नही होती है ।

प्रश्नावली

''जीवन की अवधारणा का अध्ययन''

नाम छात्र/छात्रा ———— पिता का नाम———— व्यवसाय————

कक्षा ———— विद्यालय ———— श्रेणी ————

१	क्या सूरज जीवित चीज है ?	उत्तर	हॉ/नही
	क्यो		
२	क्या मछर जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
३	क्या अडा जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
४	क्या पेड जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
५	क्या साइकिल जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
६	क्या मकडी जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
७	क्या बादल जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
८	क्या एजिन (मोटर) जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
६	क्या बीच जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१०	(अ)क्या आप टी वी देखते है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१०	(ब)क्या टी वी जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
११	क्या चन्द्रमा जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१२	क्या तुलसी का पौधा जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१३	क्या मछली जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१४	क्या हरी घास जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		
१५	क्या बैक्टीरिया(जीवाणु)जीवित चीज है ?		हॉ/नही
	क्यो		

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

४.५ प्रदत्तों का संकलन -

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे शोधकार्य हेतु प्रश्नावली तैयार करके शोधकर्ता ने स्वय सभी (१०) विद्यालयो मे जाकर प्रधानाध्यापक की अनुमति प्राप्त करके प्रदत्तो का सकलन किया ।

प्रदत्तो का सकलन उद्देश्यपूर्ण तथा पक्षपातरहित ढग से किया गया ।

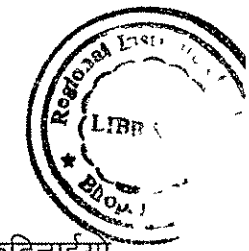

४.६ प्रदत्तो के संकलन के दौरान होने वाली कठिनाइयाँ -

प्रस्तुत शोधकार्य मे प्रदत्तो के सकलन के दौरान शोधकर्त्ता ने निम्नलिखित कठिनाईयो का सामना किया ।

१ प्रदत्तो के सकलन के दौरान कक्षा ३,५ के बालक–बालिकाओ से साक्षात्कार के दौरान उन्होने समय सीमा से अधिक समय लिया ।

२ शोधकर्त्ता ने सुबह और दोपहर की समय सारणी वाले विद्यालयो मे प्रतिदिन जाकर बिना भोजन ग्रहण किये प्रदत्तो का सकलन किया ।

३ प्रदत्तो के सकलन के दौरान शोधकर्त्ता को साक्षात्कार के समय कक्षा ३ एव ५ के विद्यार्थियो को विषय क्षेत्र मे ले जाने मे कठिनाई का सामना करना पडा ।

४.७ प्रदत्त संकलन हेतु प्रयुक्त तकनीकी एवं प्रकिया -

शोधकार्य की विश्वसनीयता और बैधता को दृष्टिगत रखते हुये शोधकर्त्ता ने साक्षात्कार तकनीकी को अपनाया ।

साक्षात्कार मे साक्षात्कार कर्त्ता तथा प्रयोज्य जिसका साक्षात्कार लेना है आपने पारस्परिक मौखिक आदान प्रदान से अपने विचारो को एक दूसरे से अवगत कराते है।

उपयुर्क्त आधार पर शोध कर्त्ता ने प्रयोज्य से अतरग वैचारिक सम्बन्ध स्थापित करके साक्षात्कार किया ।

साक्षात्कार के दौरान शोधकर्त्ता द्वारा प्रयोज्य को कक्षा के अन्य छात्रो अलग करके व्यक्तिगत रूप से विद्यालय के बगीचो, खेल के मैदानो तथा एकान्त खाली कक्षा के कमरो मे ले जाया गया ताकि कोई व्यवधान न हो ।

प्रस्तुत प्रश्नावली मे **''जीवन की अवधारणा का अध्ययन''** से सम्बन्धित १५ प्रश्नो के उत्तर प्रत्येक बालक एव बालिकाओ के व्यक्तिगत रूप से पूछे गये ।